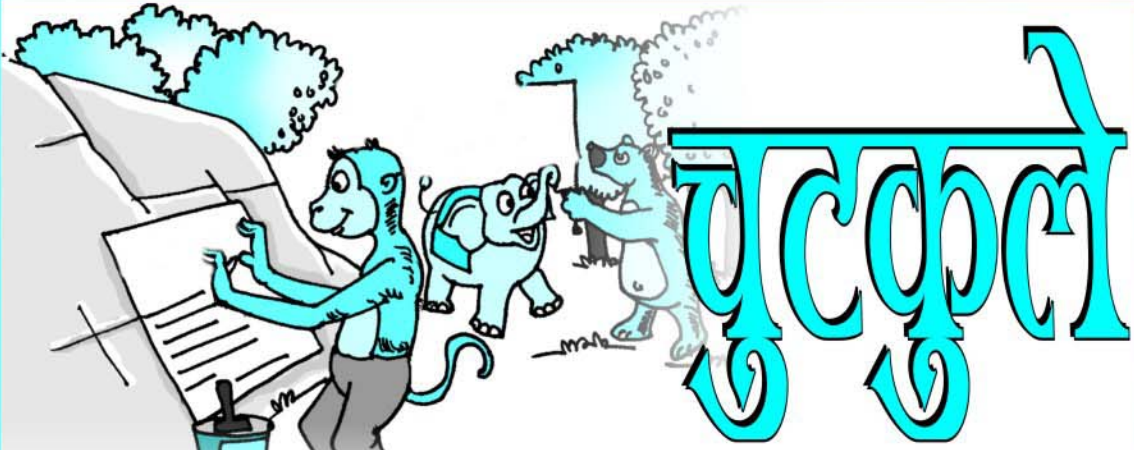




3, 71, 438

प्रसारण संख्या का विवरण कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक देवपुत्र



* अर्जुन कछावा

संदीप - दुनिया में कोई भी काम असम्भव नहीं है।

सीमा - अच्छा! तो फिर आकाश से तारे तोड़ लाओ।

संदीप - अभी तो रात है दिन में तोड़ ले लाऊँगा।

पिता बेटे से - जानते हो तुम्हारी पढ़ाई में कितना खर्च होता है।

बेटा - हाँ, पिताजी इसलिए तो मैं थोड़ा ही पढ़ता हूँ।

* तिलक राजसिंह पंवार

पुत्र - पिताजी मुझे ढोलक ला दो।

पिता - नहीं, तुम ढोलक बजा-बजाकर किसी को चैन नहीं लेने दोगे।

पुत्र - पिताजी! जब सब सो जाएंगे तभी बजाऊँगा।

शिक्षक - बताओ बच्चो! गाय और ग्वाले में क्या अन्तर है?

विद्यार्थी - गाय शुद्ध दूध देती है, और ग्वाला मिलावटी दूध देता है।

भिखारी एक सज्जन से रोज २ रू. मांगता था लेकिन एक दिन वह ३ रू. मांगता है।

सज्जन बोले - क्यों, तुम रोज २ रू. मांगते थे आज ३ रू. क्यों?

भिखारी - महँगाई भत्ते की सरकार ने वृद्धि कर दी है। इसलिए महँगाई भत्ता जोड़कर मांगता हूँ।

देवपुत्र